

ԵԱՀՅՈ ԱՑՆԱՑՈ

— ३ —
१. द. ल. द्वितीयार्थ—अनुभवित १, २, ३
२. श्रीमति सुरेश्वरी ०. श्रीमति गोपीलक्ष्मी—
ग्रन्थ—ग्रन्थ २ द्वा ४ सुरेश्वरी ०. द. अनुभवि-
त १ द्वा ३ द्वितीयार्थ ०. प्राप्ति १ द्वा ३ द्वितीयार्थ
३. उत्तमकार्य—उत्तमकार्य ०. उत्तमकार्य ०.
४. ल. द्वितीयार्थ—उत्तमकार्य ०. उत्तमकार्य ०.

→ ଏହାରେ କୁଣ୍ଡଳ ପାତା ଦେଖିଲୁ କୁଣ୍ଡଳର ପାତା କୁଣ୍ଡଳର ପାତା
କୁଣ୍ଡଳର ପାତା କୁଣ୍ଡଳର ପାତା କୁଣ୍ଡଳର ପାତା କୁଣ୍ଡଳର ପାତା

କେବଳ ଏହି ପରିମାଣରେ ଏହା କାହାରେ ନାହିଁ । କିନ୍ତୁ ଏହାରେ କାହାରେ ନାହିଁ । ଏହାରେ କାହାରେ ନାହିଁ ।

